लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 02 February 2023

i-NEXT PAGE 2

डॉ. एमके अग्रवाल, प्रोफेसर इकॉनोमिक्स डिपार्टमेंट, एलयू

कृषि, युवा व पर्यावरण पर रहा विशेष जोर

मोदी सरकार 2.0 का यह आखिरी बजट अर्थव्यवस्था के तीव्र व समावेशी विकास के साथ तालमेल बैठाता नजर आता है. वित्त मंत्री की ओर से आय में दी गई छूट आमलोगों में चर्चा का विषय बन चुकी है, लेकिन यह बजट मुख्य रूप से कृषि विकास, हरित ऊर्जा व हरित विकास रणनीति, लघु व मध्यम उद्योग के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देता नजर आ रहा है. आयाम सप्तर्षि पर आधारित है. जो अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम देने की क्षमता रखता है. बजट से साफ होता है कि कृषि का आधुनिकीकरण किया जा रहा है. इसे आर्थिक विकास के नए सोर्स के रूप में देखा जा रहा है. कृषि के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के लोन का लक्ष्य रखा रखा गया है. साथ ही, डिजिटल टेक्नीक के इस्तेमाल से इसको नई गति दी जाएगी. प्राकृतिक खेती उत्पादन लागत में कमी को अहम प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए. मोटे अनाजों पर विशेष जोर देने से भी कृषि समृद्ध होगा. कृषि रोजगार व आय में भी बढ़त होगी. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए 2 लाख करोड़ तक के लोन पर किसी गारंटी की जरूरत का न होने को विशेष प्रयास के तौर पर देखा जाना चाहिए. कोरोना काल में जिन फर्मों की टेंडर की राशि जब्त हो गई थी उसे वापस करने का प्रावधान इस बजट में किया गया है, इससे इन फर्मों की पूंजी बढ़ेगी. युवा वर्ग को आगे बढ़ाने और इनके कौशल विकास के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना को अगले तीन साल तक फिर लागू किया गया है. इसी तरह नगरीय विकास को नया आयाम दिया जा रहा है. बजट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें शामिल किए सभी पहलुओं में पर्यावरण संरक्षण या पर्यावरण में सुधार को को प्राथमिकता दी गई है.

NBT PAGE 4

एलयू में प्लेसमेंट के लिए आईं कई कंपनियां

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू में नौकरी के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियां आ रही हैं। ऐसे में अभियांत्रिकी, बीसीए और एमएससी के स्टूडेंट्स के पास नौकरी के लिए आवेदन करने का मौका है।

अभियांत्रिकी, बीसीए और एमएससी के स्टूडेंट्स के पास मौका

एलयू की केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की निदेशिक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि गुरुवार को एमएससी और बीटेक अभ्यर्थियों के लिए आकाश एजुकेशनल नौकरी के लिए ऑनलाइन परीक्षा का पहला राउंड आयोजित कर रहा है। क्वालीफाई करने वाले स्टूडेंट्स को 7 से 9 लाख रुपये का पैकेज और तीन लाख रुपये का रिटेंशन वोनस के साथ कई इन्सेंटिव भी दिए जाएंगे। इसके अलावा शुक्रवार को अभियांत्रिकी एवं वीसीए स्टूडेंट के लिए वेस्टलाइन शिपिंग कंपनी का पहला राउंड होगा। चयनित अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। फाइनल सिलेक्शन होने पर उन्हें औरों से कहीं बेहतर पैकेज मिल सकता है। यह पैकेज किसी भी भारतीय विवि को मिलने वाला सबसे वड़ा पैकेज होगा।

कैंपस प्लेसमेंट में 44 छात्रों का चयन

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एकेटीयू में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से बुधवार को स्टूडेंट्स के लिए कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया था। वीसी प्रो.पीके मिश्र के मुताबिक, इसमें हाईक एजुकेशन कंपनी को आमंत्रित किया गया था। बीटेक ब्रांच से करीब 200 स्टूडेंट्स ने साक्षात्कार दिया। कंपनी ने पहले चरण में 30 और दूसरे में 14 स्टूडेंट्स का चयन किया। चयनित स्टूडेंट्स को करीब नौ लाख रुपये का सालाना पैकेज मिलेगा।

जूलॉजी तीसरे सेमेस्टर के प्रैक्टिकल 3 से शुरू

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू में जूलॉजी के तीसरे सेमेस्टर के प्रैक्टिकल की डेट जारी कर दी गई हैं। प्रैक्टिकल के लिए चार बैच बनाए गए हैं। तीन फरवरी को पहले बैच का सुबह 8:30 बजे और दूसरे बैच का प्रैक्टिकल दोपहर 1 बजे से होगा। वहीं तीसरे बैच का प्रैक्टिकल 4 फरवरी को सुबह 8:30 बजे से और चौथे बैच का प्रैक्टिकल दोपहर 1 बजे कराया जाएगा।

कॉरपोरेट कर्मियों में तनाव स्तर ज्यादा

एलयू की फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के डॉ. अमरजीत यादव ने एक शिविर में बुधवार को कहा कि विभिन्न अध्ययनों से प्रमाणित हुआ है कि कॉरपोरेट में काम करने वाले व्यक्तियों में तनाव का स्तर अधिक होता है। ऐसे में जरूरी है कि जीवन में सफलता पाने के लिए तन और मन स्वस्थ रहे। शिविर में फैकल्टी के स्टूडेंट ने ताड़ासन, वृक्षासन, अर्ध चक्रासन, हस्तोत्तानासन, धनुरासन, प्राणायाम, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, ध्यान योग क्रियाओं का अभ्यास किया।

तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद...

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के चंद्रशेखर आजाद लॉन में बुधवार को लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस बीच मशहूर नारीवादी लेखिका कमला भसीन के 'तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद...' जैसे गीतों पर प्रस्तुति देकर छात्रों ने महिला सशक्तिकरण को लेकर जागरूक किया। वहीं 'रूहानी' ऑल गर्ल्स बैंड ले बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, ओ री चिरैया जैसे गीत पर प्रस्तुतियां दीं। वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से बुधवार को मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय कुंगफू ग्रैंड मास्टर ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने आत्मरक्षा के आक्रमण और बचाव की छह तरह की तकनीक सिखाईं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में प्रतियोगिताओं का दौर जारी

लखनऊ। लविवि में जी-20 के तहत प्रतियोगिताओं और आयोजनों का दौर जारी है। बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने मार्शल आर्ट शिविर लगाया। कार्यक्रम का उद्घाटन विवि कनेक्ट प्रोग्राम की समन्वयक प्रो. पूनम टंडन और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का मिश्रा के नेतृत्व में हुआ। शिविर में ड्रैगन एकेडमी के संचालक तथा अंतरराष्ट्रीय कुंगफू ग्रैंड मास्टर ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने टीम के साथ छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। उधर, विवि के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने चंद्रशेखर आजाद लॉन में रुहानी ऑल गर्ल्स बैंड ने थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ प्रस्तुति दी। इसमें लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने वाले गीत बादल पे पाव हैं..., दिल है छोटा सा..., आशाएं....,ओ री चिरैया... गाए गए। प्रकोष्ठ ने नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़-तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद....का जश्न मनाया। प्रकोष्ठ की कन्वीनर अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. रोली मिश्रा और डॉ. प्रशांत ने अन्याय के खिलाफ बोलने के लिए प्रोत्साहित किया। विवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से योग हॉल में योग ध्यान शिविर लगाया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्लेसमेंट ड्राइव आज से

लखनऊ। लविवि में बृहस्पतिवार से इंजीनियरिंग और बीसीए के विद्यार्थियों के लिए कैंपस ड्राइव का आयोजन होगा। वेस्टलाइन शिपिंग कंपनी पहला ढराउंड आयोजित करेगी। अंतिम राउंड के लिए चयनित छात्र को 1.44 करोड़ रुपये का पैकेज दिया जाएगा। कैंपस प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल के अनुसार यह सम्भवतः सबसे बड़ा पैकज होगा। इसके साथ ही दो फरवरी को एमएससी और बीटेक के विद्यार्थियों के लिए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज के लिए सात से नौ लाख रुपये का पैकेज और तीन लाख का बोनस भी मिलेगा। प्रो. लाल ने कहा अब लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्रों को ढ बड़े-बड़े ब्रांड प्लेसमेंट देने के लिए उत्सुक हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

तृतीय सेमेस्टर के प्रैक्टिकल कल से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी जूलॉजी तृतीय सेमेस्टर के प्रैक्टिकल शुक्रवार से शुरू होंगे। इसके लिए विद्यार्थियों को चार समूहों में बांटा गया है। पहले बैच की शुरुआत 8.30 बजे से होगी। दूसरे बैच के प्रैक्टिकल एक बजे से होंगे। तीसरे बैच के प्रैक्टिकल शनिवार सुबह 8.30 से और चौथे के दोपहर एक बजे से होंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 9

एलयू:तीसरे सेमेस्टर की प्रैक्टिकल कल से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी जंतु विज्ञान तीसरे सेमेस्टर की प्रैक्टिकल डेट बुधवार को जारी की गई। तीन व चार फरवरी को चार बैच बनाकर प्रैक्टिकल कराए जाएंगे। एलयू पीआरओ डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक पहले बैच और तीसरे बैच के प्रैक्टिकल सुबह साढे आठ बजे से होंगे। दूसरे व चौथे बैच के प्रैक्टिकल दोपहर एक बजे से होंगे।

PIONEER PAGE 4

लविवि में लैंगिक समानता को लेकर स्पेसेज कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने बुधवार को यूनिवर्सिटी कैंपस के चंद्रशेखर आजाद लॉन में रूहानी ऑल गर्ल्स बैंड और प्रमुख सांस्कृतिक कार्यकर्ता और थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ स्पेसेज नाम की श्रृंखला में अपना तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले गीत जैसे बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, आशाएं, ओ री चिरैया गाये गए।

प्रकोष्ठ ने प्रख्यात नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़ तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद का जश्न मनाया। छात्रों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कविता पाठ किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कैंटीन, लॉन, हॉस्टल जैसे अपने स्वयं के स्थानों में लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और लैंगिक समानता की चर्चा शुरू करने के लिए स्पेस नाम का कार्यक्रम शुरू किया था। इस प्रकोष्ठ का गठन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 2020 में किया था और तब से ये प्रकोष्ठ समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा छात्र छात्राओं को लिंग समानता से जुड़े विषयों से अवगत कराता आया है। प्रदर्शन के बाद जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल टीम, परफॉर्मर्स और दर्शकों के बीच जेंडर आधारित हिंसा के व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा हुई। दर्शकों ने लिंग, सेक्सुअलिटी, सेक्सिज्म की परिभाषाओं के बारे में अपनी शंकाओं को भी साझा किया। प्रकोष्ठ की कन्वीनर अर्थशास्त्र विभाग की प्रो रोली मिश्रा और उनकी टीम में डॉ प्रशांत ने दर्शकों के सवालों का जवाब दिया और सभी को अपने आसपास किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ बोलने के लिए प्रोत्साहित किया।

अगले सप्ताह यूपी से पांच यूनिवर्सिटी जायेंगी क्यूएस रैंकिंग में

लखनऊ। दुनिया के टॉप शैक्षणिक संस्थानों में शामिल होने के लिए अगले सप्ताह क्यूएस रैंकिंग के लिए उपक्रम के जरिए प्रदेश के पांच विश्वविद्यालयों द्वारा आवेदन किया जायेगा। इनमें लखनऊ विश्वविद्यालय, किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, सीसीएस मेरठ और एमजेपी रूहेलखंड विश्वविद्यालय और ट्रिपल आईआईटी शामिल है। क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग के बारे में जानकारी देते हुए उपक्रम की महानिदेशक प्रो. पुनम टंडन ने बताया कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बेहतर भविष्य के लिए ऐसे ही शिक्षण संस्थान का मूल्यांकन करती है, जो बेहतर क्वालिटी की शिक्षा प्रदान करते हो। एक शैक्षणिक संस्थान और उसके शिक्षण की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए, रेटिंग प्रणाली छात्रों की प्रतिक्रिया, छात्र अनुपात के लिए फैकल्टी, डिग्री पूर्ण होने की दर जैसे विभिन्न तरीकों को अपनाती है। इसके अलावा यह टीचरों के एक विभिन्न समूह के साथ एक्टिव एजुकेशन और सीखने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करता है, जिसमें छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए एक कम्पलीट विजन शामिल होता है। बता दें कि क्वाक्केरेली सायमंड्स द्वारा हर साल क्यूएस रैंकिंग जारी की जाती है।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 2

आर्थिक विकास को नयी गति देगा बजट

त्वरित टिप्पणी

मोदी-2.0 सरकार का यह आखिरी बजट भी पहले के बजटों की श्रृंखला में एक नयी कड़ी है जो अर्थव्यवस्था के तीव्र व समावेशी विकास के साथ तालमेल बिठाते हुए नये वृद्धि केन्द्रों को सृजित करता हुआ नजर आता है। यूं तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आयकर में दी गयी व्यापक छूट आमलोगों में चर्चा का विषय बन चुकी है, किन्तु यह बजट मुख्यरूप से कृषि विकास, हरित ऊर्जा एवं हरित विकास रणनीति, लघु एवं मध्यम उद्योग के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को प्रोत्साहित करता हुआ नजर आता है। मोदी सरकार का 2023-24 का बजट सात प्रमुख आयाम 'सप्तर्षि' पर आधारित है जो अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम प्रदान करने की क्षमता रखता है।

इस दृष्टिकोण से जिस प्रकार से कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण किया जा रहा है तथा इसको आर्थिक विकास के एक नये स्रोत के रूप में सृजित किया जा रहा है वह महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत कृषि के लिए 20 लाख करोड़ के ऋण का लक्ष्य रखा गया है साथ ही डिजिटल तकनीक के भरपूर इस्तेमाल से इसको नई गति प्रदान की जाएगी।

इसी प्रकार कृषि विविधीकरण, प्राकृतिक खेती उत्पादन लागत में कमी महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। मोटे अनाजों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने से भी कृषि क्षेत्र समृद्ध होगा। इससे कृषि क्षेत्र में रोजगार एवं आय में वृद्धि होगी।

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले व्यापार एवं उद्योग पर भी इस बजट में विशेष प्रयास नजर आता है। इसलिए 2 लाख करोड़ तक के ऋण की ऐसी व्यवस्था की गयी है जिसके लिए किसी गारंटी की आवश्यकता न पड़े। कोरोना काल में इस तरह की जिन फर्मों ने निविदा की राशि जमा की थी तथा कार्य न करने से वह राशि जब्त हो गयी थी, अब उसको भी वापस कर दिया जाएगा जिससे ऐसी फर्मों की पूंजी बढ़ सकेगी। इसी के साथ अन्य प्रयास भी इनको आगे बढ़ाने में मददगार होंगे। समावेशी विकास की रणनीति के अंतर्गत अवस्थापना सुविधाओं का तीव्र विकास किया जाना है। युवा वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए इनके कौशल विकास के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना को अगले 3 वर्ष तक फिर लागू किया गया है। इसी प्रकार चहुँमुखी विकास के अंतर्गत नगरीय विकास तथा रेलवे विकास को नया आयाम दिया जा रहा है। इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह चाहे कृषि विकास हो, औद्योगिक विकास हो, सेवा क्षेत्र हो या नगरीय विकास हो, वह फिर परिवहन या यातायात हो सब में एक समान रणनीति यह है कि सभी जगह या तो पर्यावरण संरक्षण हो या पर्यावरण में सुधार हो सके। इस प्रकार मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट समावेशी होने के साथ पोषणीय एवं तीव्रगति से होने वाले विकास पर केन्द्रित है।

प्रो. एम.के. अग्रवाल
लखनऊ विश्वविद्यालय

PIONEER PAGE 3

सतत विकास की रणनीति के तहत कृषि, युवा व पर्यावरण पर विशेष जोर

लखनऊ। मोदी 2.0 सरकार का यह आखिरी बजट भी पहले के बजटों के श्रृंखला में एक नयी कड़ी है जो अर्थव्यवस्था के तीव्र व समावेशी विकास के साथ तालमेल बिठाते हुए नये वृद्धि केन्द्रों को सृजित करता हुआ नजर आता है।

यूं तो वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आयकर में दी गयी व्यापक छूट आमलोगों में चर्चा का विषय बन चुका है किन्तु यह बजट मुख्य रूप से कृषि विकास, हरित उर्जा एवं हरित विकास रणनीति, लघु एवं मध्यम उद्योग के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को प्रोत्साहित करता हुआ नजर आता है। मोदी सरकार का 2023-24 का बजट सात प्रमुख आयाम सप्तर्षि पर आधारित है, जो अर्थव्यवस्था को नया आयाम प्रदान करने की क्षमता रखता है। इस दृष्टिकोण से जिस प्रकार से कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण किया जा रहा है तथा इसको आर्थिक विकास के एक नये स्त्रोत के रूप में सृजित किया जा रहा है, वह महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत कृषि के लिए 20 लाख करोड़ के ऋण का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही डिजिटल तकनीक के भरपूर इस्तेमाल से इसको नई गति प्रदान की जायेगी। मोटे आनाजों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने से भी कृषि समृद्ध होगी। इसी प्रकार कृषि विविधिकरण, प्राकृतिक खेती उत्पादन लागत में कमी महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। इससे कृषि क्षेत्र में रोजगार एवं आय में वृद्धि होगी। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले व्यापार एवं उद्योग पर भी इस बजट में विशेष प्रयास नजर आता है। इसलिए 2 लाख करोड़ तक के ऋण की ऐसी व्यवस्था की गयी है, जिसके लिए किसी गारंटी की बावश्यकता न पड़े। कोरोना काल में इस तरह की जिन फर्मों ने निविदा की राशि जमा की थी तथा कार्य न करने से वो राशि जब्त हो गयी, अब उसको भी वापस कर दिया जायेगा, जिससे ऐसी फर्मों की पूंजी बढ़ सकेगी। इसी के साथ अन्य प्रयास भी इनको आगे बढ़ाने में मददगार होंगे। समावेशी विकास की रणनीति के अंतर्गत अवस्थापना सुविधाओं का तीव्र विकास किया जाना है। युवा वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए इनके कौशल विकास के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना को अगले 3 वर्ष तक फिर लागू किया गया है। इसी प्रकार चहुँमुखी विकास के अंतर्गत नगरीय विकास तथा रेलवे विकास को नया आयाम दिया जा रहा है। इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह चाहे कृषि विकास हो या नगरीय विकास हो या फिर परिवहन या यातायात हो, सब में एक समान रणनीति यह है कि सभी जगह या तो पर्यावरण संरक्षण हो या पर्यावरण में सुधार हो सके। इस प्रकार मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट समावेशी होने के साथ-साथ पोषणीय एवं तीव्र गति से होने वाले विकास पर केन्द्रित है।

(लेखक: प्रो. मनोज अग्रवाल प्रसिद्ध अर्थशास्त्री होने के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के विभाग प्रमुख हैं)

JAGRAN CITY PAGE I

कृषि के लिए उपयोगी है बजट

प्रो. एमके अग्रवाल

बजट की संरचना से प्रतीत होता है कि यह उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखकर बनाया गया है। कृषि पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह बजट उपयोगी रहेगा। कृषि क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी के आने से प्रदेश के किसानों को सीधे लाभ होगा। कृषि क्षेत्र के लिए 20 लाख करोड़ के कर्ज वितरण का लक्ष्य रखा गया है। कृषि त्वरण निधि की स्थापना से नवाचार और स्टार्टअप को भी प्रोत्साहन मिलेगा। फलों की खेती को प्रोत्साहन मिलेगा। -(लेखक लखनऊ विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष हैं।)

जूलाजी की प्रयोगात्मक परीक्षा तीन को

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय बीएससी जूलाजी तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा तीन व चार फरवरी को आयोजित करेगा। जूलाजी विभाग के हेड प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

स्पेस श्रृंखला के कार्यक्रम में रूहानी बैंड ने दी प्रस्तुति

स्वतंत्र भारत संवाददाता ,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने बुधवार को यूनिवर्सिटी कैंपस के चंद्रशेखर आजाद लॉन में %रूहानी% ऑल गर्ल्स बैंड ने प्रमुख सांस्कृतिक कार्यकर्ता और थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ 'स्पेस' नाम की श्रृंखला में अपना तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले गीत जैसे बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, आशाएं, ओ री चिरैया गाए गए। प्रकोष्ठ ने प्रख्यात नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़ तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद का भी जश्न मनाया। छात्रों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कविता पाठ किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक

छात्रों ने प्रतिभाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कैंटीन, लॉन, हॉस्टल जैसे अपने स्वयं के स्थानों में लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और लैंगिक समानता की चर्चा शुरू करने के लिए %स्पेस% नाम का कार्यक्रम की शुरुआत की थी । इस प्रकोष्ठ का गठन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने 2020 में किया था और तब से ये प्रकोष्ठ समय समय पर विभिन्न कार्यकमों द्वारा छात्र छात्राओं को लिंग समानता से जुड़े विषयों से अवगत कराता आया है। प्रदर्शन के बाद जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल टीम, परफॉर्मर्स और दर्शकों के बीच जेंडर आधारित हिंसा के व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा हुई। दर्शकों ने लिंग, सेक्सुअलिटी, सेक्सिज्म की परिभाषाओं के बारे में अपनी शंकाओं को भी साझा किया। प्रकोष्ठ की कन्वीनर अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. रोली मिश्रा और उनकी टीम में डॉ. प्रशांत ने दर्शकों के सवालों का जवाब दिया और सभी को अपने आसपास किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ बोलने के लिए प्रोत्साहित किया।

जी-20 और भारत विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

जी20 में भारत की अध्यक्षता का उत्सव मनाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को जी-20 और भारत विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 8 टीमें थीं जिनमें प्रत्येक में दो सदस्य थे। एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के छात्रों ने क्विज में भाग लिया जिसमें तीन राउंड थे - एलिमिनेशन राउंड, सेमी-फाइनल और फाइनल राउंड। विभाग के संकाय सदस्य प्रतियोगिता के जज थे। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आलोक गुप्ता व श्रुति पाण्डेय ने जीता। सत्यप्रकाश वर्मा और आराधना राजभर ने दूसरा पुरस्कार जीता जबकि श्रेयन चौबे और विदिशा मिश्रा ने तीसरा पुरस्कार जीता। विजेताओं को विभागाध्यक्ष प्रो. रचना मुजू और अन्य फैकल्टी सदस्यों द्वारा ट्राफियां प्रदान की गईं। क्विज मास्टर डॉ नागेंद्र कुमार मौर्य रहे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 2

लविवि में प्लेसमेंट के लिए आ रही हैं बड़ी कंपनियां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 3 फरवरी को वेस्टलाइन शिपिंग कम्पनी का पहला राउंड होगा जो अभियांत्रिकी एवं बीसीए छात्रों के लिए किया जा रहा है। इसमें चयनित अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलायाजाएगा और फाइनलसिलेक्शन होने पर उन्हें 144 सालाना का पैकेज दिया जायेगा। निदेशिका प्रो मधुरिमा लालने बताया कि ये किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय को दिये जाने वाला सम्भवतः सबसे बड़ा पैकेज होगा। इसके अतिरिक्त 2 फरवरी को एमएससी और बीटेक के अभ्यर्थियों के लिए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज के लिए ऑनलाइन परीक्षा का पहला राउंड लिया जायेगा। इसमें क्वालीफाई किये गये छात्रों को 7 लाख से 9 लाख रूपये का पैकेज और तीन लाख की अवधारणा बोनस के साथ विभिन्न इन्सेंटिव्ज भी दिये जायेंगे।

नयी पेंशन व्यवस्था से मिलेगा लाभ

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के वरिष्ठ अर्थशास्त्री प्रो. अरविन्द मोहन ने बताया कि आठ साल बाद मिडिल क्लास को आयकर में छूट दी गयी है। इससे नौकरी पेशे वाले और कर्मचारियों को काफी राहत होगी। बीते साल में 22 लाख करोड़ रुपये आयकर से आने से सरकार को मजूबती मिली है। इस कारणइस बार छूट देने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष कर में सरकार आय पर दो तरह से कर की वसूली करती है। पहली पुरानी कर व्यवस्था को स्टैंण्डर्ड टैक्स व्यवस्था के तहत बचत और ऋण के माध्यम से लाभ मिलता है जबकि नयी टैक्स व्यवस्था में ज्यादा लाभ लोगों मिलेगा। इसमें सरकार ने सरकारी और गैर सरकारी कर्मियों को टैक्स का भुगतान करने के लिए दोनों माध्यम खोल रखे है। जिस व्यवस्था में कर्मचारी को लाभ हो रहा हो, उस व्यवस्था के तहत कर्मचारी टैक्स दे सकता है लेकिन व्यापारियों को एक ही बार दोनों व्यवस्था में से एक को चुना जा सकता है। प्रो. मोहन ने कहा कि 15-20 लाख लोग पुरानी टैक्स व्यवस्था से टैक्स दे रहे है। पुरानी व्यवस्था में लाभ

● बजट विश्लेषण

नहीं है।

यदि बजट की बात की जाये तो यह संतुलित बजट है। इसमें 10 लाख करोड़ रूपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित है और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए चार लाख करोड़ रूपये का बजट रखा गया है। जिसमें रेलवे, सड़क, पीएम आवास और अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल है। ये सब विकास के लिए सकारात्मक असर डालेगा। कृषि क्षेत्र में एग्री स्टार्ट अप के लिए फंड बनाया गया है। कॉपरेटिव बनाकर छोटे किसानों को आगे बहने का प्रयास किया गया। मनरेगा का बजट कम करने को लेकर विपक्ष की ओर से हो रही आलोचना पर उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए मनरेगा इसकी स्थायी व्यवस्था नहीं है। जो स्थायी व्यवस्था हो सकती है वह है कि जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। वैसे-वैसे रोजगार सजृन होगा। उन्होंने कृषि क्षेत्र में तीन अवधारणायें सामने आ रही है। प्रथम पहली बार स्टार्टअप के लिए बजट बनाया गया है। आने वाले समय में कई स्टार्टअप दिखेंगे। छोटे किसानों के लिए कॉपरेटिव मूवमेंट पर ध्यान दिया गया है। इससे 157 नयी सोसायटी तैयार होगी।

लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को दिया गया बढ़ावा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने परिसर के चंद्रशेखर आजाद लॉन में रूहानी ऑल गर्ल्स बैंड और प्रमुख सांस्कृतिक कार्यकर्ता और थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ ढ्डरुढअउएरढ्ढ नाम की श्रृंखला में अपना तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले गीत जैसे बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, आशाएं, ओ री चिरैया, गाए गए। प्रकोष्ठ ने नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़ तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद... का जश्न मनाया। छात्रों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कविता पाठ किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कैंटीन, लॉन, हॉस्टल जैसे अपने स्वयं के स्थानों में लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और लैंगिक समानता की चर्चा शुरू करने के लिए 'रढअउए' नाम का कार्यक्रम शुरू किया था। इस प्रकोष्ठ का गठन माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 2020 में किया था और तबसे ये प्रकोष्ट समय-समय पर विभिन्न कार्यकमों द्वारा छात्र छात्रओं को लिंग समानता से जुड़े विषयों से अवगत कराता आया है। प्रदर्शन के बाद जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल टीम, परफॉर्मर्स और दर्शकों के बीच जेंडर आधारित हिंसा के व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा हुई। दर्शकों ने लिंग, सेक्सुअलिटी, सेक्सिज्म की परिभाषाओं के बारे में अपनी शंकाओं को भी साझा किया।

सतत विकास की रणनीति के तहत कृषि युवा व पर्यावरण पर विशेष जोर : प्रो. अग्रवाल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अर्थशास्त्री एमके अग्रवाल ने बताया कि मोदी 2.0 सरकार का यह आखिरी बजट भी पहले के बजटों की संख्या में एक नई कड़ी है, जो अर्थव्यवस्था के पूर्व व समावेशी विकास के साथ ही तालमेल बिठाते हुए नये वृद्धि केंद्रों को सृजित करता हुआ नजर आता है।

यूं तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आयकर में दी गई व्यापक छूट आम लोगों में चर्चा का विषय बन चुका है किंतु यह बजट मुख्य रूप से कृषि विकास, हरित ऊर्जा एवं हरित विकास रणनीति, लघु एवं मध्यम उद्योग के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को प्रोत्साहित करता हुआ नजर आता है मोदी सरकार का वर्ष 2023-24 का बजट सात प्रमुख आयाम सप्त ऋषि पर आधारित है, जो अर्थव्यवस्था को नया आयाम प्रदान करने की क्षमता रखता है। इस दृष्टिकोण से जिस प्रकार से कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण किया जा रहा है तथा इसको आर्थिक विकास के एक नए स्रोत के रूप में सृजित किया जा रहा है

बजट विश्लेषण

वह महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत कृषि के लिए 20 लाख करोड़ के ऋण का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही डिजिटल तकनीक के भरपूर इस्तेमाल से इसको नई गति प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार कृषि विविधीकरण, प्राकृतिक खेती उत्पादन लागत में कमी महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। मोटे अनाजों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने से भी कृषि समृद्ध होगा। इससे कृषि क्षेत्र में रोजगार आय में वृद्धि होगी।

सुक्ष्म, लघु और मझोले व्यापार एवं उद्योग पर भी इस बजट में विशेष प्रयास नजर आता है इसलिए दो लाख करोड़ तक के ऋण की ऐसी व्यवस्था की गई है। जिसके लिए किसी गारंटी की आवश्यकता न पड़े। कोरोना काल में इसी तरह की जिन फार्मों ने निविदा की राशि जमा की थी और कार्य न करने से वह राशि जब्त हो गई थी, अब उसको भी वापस कर दिया जाएगा। जिससे ऐसी फर्मों की पूंजी बढ़ सकेगी इसी के साथ अन्य प्रयास भी इनको आगे बढ़ाने में मददगार रहेंगे। समावेशी विकास की रणनीति के अंतर्गत अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जाना है। युवा वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए इनके कौशल विकास के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना को अगले तीन वर्ष तक फिर लागू किया गया है। इसी प्रकार चहुंमुखी विकास के अंतर्गत नगरीय विकास और रेलवे विकास को नया आयाम दिया जा रहा है। इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह चाहे कृषि विकास हो, औद्योगिक विकास हो, सेवा क्षेत्र हो, नगरी विकास हो या फिर परिवहन या यातायात हो सबमें एक समान रणनीति यह है कि सभी जगह या तो पर्यावरण संरक्षण हो या पर्यावरण में सुधार हो सके। इस प्रकार मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट समावेशी होने के साथ-साथ पोषणीय एवं तीव्र गति से होने वाले विकास पर केंद्रित है।

प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ अर्थशास्त्री, लविवि

PRERNA UDGHOSH PAGE 4

महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए मार्शल आर्ट शिविर का आयोजन

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विगत कई दिनों से जी-20 के विषय को युवाओं के मध्य और व्यापक बनाने के लिए अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में आज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से युवाओं के सर्वांगीण विकास और महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए मार्शल आर्ट शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विवि कनेक्ट प्रोग्राम की समन्वयक प्रो. पूनम टंडन और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का मिश्रा के नेतृत्व में हुआ। शिविर में ड्रैगन अकेडमी के संचालक तथा अंतर्राष्ट्रीय कुंग फू ग्रैंड मास्टर ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने अपनी टीम के साथ छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा के गुरू सिखायें। प्रशिक्षण सत्र में आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के आत्म रक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 6 प्रकार के आक्रमण और बचाव की तकनीक शामिल थे हाथों को छुड़ाने का विभिन्न प्रकार से प्रशिक्षण दिया गया तथा किस प्रकार से पैरों से आक्रमण किया जा सकता है बताया गया। इस मौके पर एनएसएस कॉर्डीनेटर प्रो. रूपेश कुमार, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, प्रो. अमृतांशु शुक्ला, प्रो. मधुरिमा लाल मौजूद रहे तथा उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान योग ध्यान शिविर का आयोजन

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में जी20 के थीम पर फैकल्टी के योग हाल में योग ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न आसनों प्राणायामों एवं योगिक मुद्राओं का अभ्यास कराया गया। भारत के जी २० अध्यक्षता के उपलक्ष में यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम युवा वर्ग को इस सफलता का महत्व बताने के लिए उच्च शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया है। इस कार्यक्रम की समन्वयक प्रो पूनम टंडन ने कहा की इसी सिलसिले में एक अनूठा कार्यक्रम योग पर आधारित है जिसकी जननी भारत है। पूरे संसार को आज योग ने प्रभावित किया है और चूंकि G २० देशों से जाने माने व्यक्ति हमारे देश में आएंगे भारत के इस महान योगदान पे युवा गर्व करें यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। डॉक्टर अमरजीत यादव ने बताया की जीवन में सफल होने के लिए तन का स्वस्थ और मन की

शांति के लिए यह दो केंद्र बिंदु ही व्यक्ति की सफलता में सहायक सिद्ध होते हैं। अच्छा जीवन प्रबंधन, व्यापार प्रबंधन, स्वास्थ्य प्रबंधन इत्यादि आवश्यक गतिविधियों में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। विभिन्न अध्ययनों से प्रमाणित हुआ है कि कारपोरेट में काम करने वाले तनाव का स्तर कार्य की अधिकता के कारण अधिक रहता है। योग का महत्वपूर्ण अंग ध्यान का समुचित अभ्यास करने से स्ट्रेस का लेवल कम होता है। तथा तनावपूर्ण संघर्ष से जूझने की शक्ति मिलती है। इस शिविर में फैकल्टी के छात्र एवं छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के आसन ताड़ासन, वृक्षासन, अर्ध चक्रासन,हस्तोत्तानासन, धनुरासन, प्राणायाम, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, ध्यान आदि का अभ्यास किया। इन अभ्यासों से शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव को छात्रों के द्वारा बताया गया संजना लक्ष्मी रितिका दिवाकर विभा मिश्रा सचिन कुमार राजवीर आदित्य अमन और हार्दिक केसरवानी शिल्पी ने सामूहिक योग मुद्राओं का शानदार प्रदर्शन करके लोगों का मन मोह लिया। वर्तमान काल में व्यक्ति के स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य संबंधित चुनौतियों से जूझ रहा है। आधुनिक जीवन शैली के कारण लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है। स्वास्थ्य की विपरीत परिस्थितियों में योगिक जीवन शैली आसन, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास स्वास्थ्य संकट का काम करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर इंचार्ज डॉक्टर नवीन खरे, डॉ उमेश कुमार शुक्ला, डॉक्टर सत्येंद्र कुमार मिश्रा, तथा जन सामान्य एवं योग फैकल्टी के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।